



०५/२०१७/५२

# भारत का गज़त

# The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 84]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 5 1992/वैशाख 15 1914

No. 84]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 5, 1992/VAISAKHA 15, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
सार्वजनिक सूचना सं. 1-पी.आर.एन.पी./92  
नई दिल्ली, 5 मई, 1992

फा.सं. 601 /92-एन.पी.-1 :—अप्रैल, 1992—  
मार्च 1997 की निर्यात आयात नीति से सम्बद्ध वाणिज्यिक  
मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 4 आई.टी.सी.  
(पी.एन.) 92-97 के अनुसार भारत सरकार, सूचना और  
प्रसारण मंत्रालय एतद्वारा अनुलम्बक में दिए अनुसार  
लाइसेंसिंग वर्ष अप्रैल, 1992-मार्च, 1993 के लिए अखबारी  
कागज का आयात करने के लिए हकदारी प्रमाणपत्र जारी  
करने के वास्ते मार्ग निर्देश अधिसूचित करती है।

एम. दामोदरन, संयुक्त सचिव  
परिषिष्ट

हकदारी प्रमाण-पत्र जारी करने के वास्ते मार्ग निर्देश

## 1 परिभाषा

1.1 इस नीति में समय-समय पर यथा संशोधित  
प्रेस और पुस्तक पंजीकरण, अधिनियम, 1867 में यथा

परिभाषित 'समाचार पत्र' का अर्थ ऐसी कोई भी मुद्रित  
नियतकालिक कृति होगा जिसमें सार्वजनिक समाचार या  
सार्वजनिक समाचारों पर टिप्पणियां छपती हैं।

1.2 जहां देशी अखबारी कागज से अभिप्राय देश में  
अखबारी कागज का निर्माण करने वाली मिलों द्वारा उत्पा-  
दित अखबारी कागज से है, जैसा कि समय-समय पर संशो-  
धित अखबारी कागज आदेश, 1962 की अनुसूची में  
बताया गया है वहां आयातित अखबारी कागज से अभिप्राय  
सीमा शुल्क टैरिफ 1992-93 के अध्याय 48 में दी गई  
परिभाषा से है।

## 2. पात्रता :

2.1 हर प्रकार से पूर्ण औपचारिक आवेदन प्रस्तुत  
करने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अखबारी  
कागज का आवंटन उन समाचार पत्रों नियतकालिक पत्रों को  
किया जाएगा जो समय-समय पर यथा संशोधित प्रेस  
और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के संगत उपबंधों  
के अनुसार, भारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक के कार्यालय  
में पंजीकृत हो चुके हैं।

2.2 कोई समाचार पत्र अखबारी कागज के आवंटन के लिए तभी पात्र होगा जब दैनिक, द्विमाताहिक या द्विसाप्ताहिक समाचार पत्र के मामले में उसकी नियमितता 90 प्रतिशत और अन्य अवधिकता के मामले में 66-2/3 प्रतिशत होगी, मिवाय उन मामलों के जिनमें नियमितता की गिरवट प्रकाशक के नियन्त्रण से बाहर के कारणों से अर्थात् हड्डियाल, तालाबंदी, काम धीरे करना, बिजली की कमी या इत्यरी प्रकार के कारणों से आई हो।

2.3 प्रकाशनों की निम्नलिखित श्रेणियां वाहे वह भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में समाचार-पत्रों के रूप में पंजीकृत हों, इस नीति के अन्तर्गत अखबारी कागज के आवंटन के लिए पात्र नहीं होगी:—

- (1) नुस्खत: बस्तुओं अथवा सेवाओं से विक्री को बढ़ावा देने के प्रकाशित पत्रिकाएं
- (2) उपक्रमों/फर्मों/ओब्लिगिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली गृह पत्रिकाएं/मैगजीन।
- (3) मूल्य मूल्यां, सूचीपत्र, निर्देशिकाएं तथा लाटरी समाचार,
- (4) दौड़ गाइड और
- (5) संक्षम मैगजीन।

### 3. हकदारी

3.1 किसी समाचार पत्र/नियन्तकालिक पत्र के लाइसेंसग वर्ष 1992-93 के लिए अखबारी कागज की मूल हकदारी का निर्धारण उसके पिछले वर्ष के बौरान अखबारी कागज तथा और किसी कागज की खपत, औसत वार्षिक प्रसार संख्या औसत प्रकाशन दिवसों की संख्या तथा प्रकाशित औसत पृष्ठ क्षेत्र के आधार पर किया जाएगा।

3.2 वे समाचार-पत्र जिनकी वार्षिक हकदारी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा 200 मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज में अधिक निर्धारित की गई है, इस शर्त पर उनके द्वारा खरीदे गए देशी अखबारी कागज के प्रत्येक दो मीट्रिक टन पर एक मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज का प्रारूप करा के गत दृंगे।

3.3 जिन समाचार पत्रों की हकदारी भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा 200 मीट्रिक टन में कम तथा की गई है, उनके नाम भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा मानक अखबारी कागज का वार्षिक हकदारी प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, जिसमें उस समाचार-पत्र द्वारा आयात

किए जाने वाले मानक अखबारी कागज की अधिकतम मात्रा निर्धारित की गई होगी। ऐसे समाचार पत्र इमाही आमार पर अनुमत मात्रा का आयात कर सकेगे। पहली किट्ठ अधिकतम मात्रा का 50 प्रतिशत होगी। भारत के समाचार पत्रों में पंजीयक द्वारा दूसरी किट्ठ वित्तीय वर्ष के प्रथम उत्तरार्ध में समाचार पत्र के वास्तविक निष्पादन के अनुसार भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा पहले से तथा की गई अधिकतम मात्रा के अधीन जारी की जाएगी।

3.4 उपर्युक्त पैरा 3.3 में किसी बात के होते हुए भी यदि भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा किसी समाचार पत्र की वार्षिक हकदारी 50 मीट्रिक टन से कम तथा की जारी है तो सम्बद्ध समाचार-पत्र यह मात्रा एक या एक से अधिक किट्ठों में आयात कर सकेगा।

3.5 समाचार पत्र नियन्त कालिन पत्र के सभी मंस्करणों को, जिनका यही नाम हो, आवार्गिकता हो, उसी भाषा में प्रकाशित होते हों और उनका ख्वामी वही हो अथवा उसी जगह से या शिष्म-भिष्म भगहो से प्रकाशित हो, एक साथ मिला दिया जाएगा और उनकी श्रेणी तथा अखबारी कागज की हकदारी का हिमाव मभी मंस्करणों को एक साथ मिला कर निष्पादन विवरण के आधार पर लगाया जाएगा।

3.6 भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा जिस समाचार-पत्र/नियन्तकालिक पत्र की प्रमार संख्या का दावा अप्रमाणित घोषित कर दिया गया है, वह अखबारी कागज के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसको प्रमार संख्या उसी वर्ष में या अनुवर्ती वर्ष के लिए पुनः मिल न हो जाए, चाहे समाचार पत्र के सार में किसी प्रकार का परिवर्तन ही क्यों न हुआ हो। उन समाचार पत्रों/नियन्तकालिक पत्रों के मामले में, जिनकी प्रमार संख्या भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक ने पहले दावा की गई प्रमार संख्या से कम निर्धारित की है, उनको हकदारी भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित प्रमार संख्या के आधार पर निकाली जाएगी तो समाचार पत्र/नियन्तकालिक पत्र प्रांकी गई प्रपार संख्या के आधार पर अखबारी कागज पाने रहेंगे और नाइसेंसिंग वर्ष अथवा बाद के वर्षों के दौरान संशोधन के हकदार नहां होंगे जब तक कि प्रमार का दावा पूरी तरह स्वीकार न कर लिया जाता। उस समाचार पत्र/नियन्तकालिक पत्र के मामले में जिसके बारे में यदि पाया जाता है कि उसने अपने निष्पादन अथवा प्रमार संख्या का अमत्य विवरण दिया है, उसे विशिष्ट अवधि जो एक वर्ष तक हो भरती है, के लिए नीत्र दर्शाएँ गए तरीके से अखबारी कागज के आवंटन से बच्चिन किया जा सकेगा।

अत्यक्ति	के लिए वंचित	प्रसार संख्या	उपर्युक्त (ख) के अन्तर्गत अनुमति प्रतियां
(1) 10 प्रतिशत तक	छृट		
(2) 10 प्रतिशत से अधिक एवं 25 प्रतिशत तक	तीन महीने	(प्रति प्रकाशन दिवस बिक्री हुई प्रतियां)	(जो भी कम है )
(3) 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक	छः महीने	25,000 प्रतियां तक	5 प्रतिशत या 1,000 प्रतियां
(4) 50 प्रतिशत से अधिक एवं 75 प्रतिशत तक	तीन महीने	25,000 से अधिक और 75,000 प्रतियों तक ।	5 प्रतिशत या 2,500 प्रतियां
(5) 75 प्रतिशत से अधिक	एक वर्ष	75,000 प्रतियां से अधिक	5 प्रतिशत या 5,000 प्रतिया

3.7(क) ऐसा समाचारपत्र/नियत कालिक पत्र जो गत वर्ष अखबारी कागज के आबंटन के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने में अथवा अर्हता प्राप्त करने में असफल रहा है उसे नया आवेदन समझा जाएगा । उसे 1992-93 के दौरान केवल देशी अखबारी कागज ही दिया जाएगा जब तक कि असफलता के कारण प्रकाशक के नियन्त्रण के बाहर न हों ।

3.7(ख) यदि समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र अपनी आवधिकता में परिवर्तन करता है तो ऐसे एक वर्ष के नियमित प्रकाशन के बाद अखबारी कागज आबंटित किया जाएगा ।

3.7(ग) जो समाचारपत्र पहली बार अखबारी कागज के आबंटन के लिए आवेदन कर रहा है, वह भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में हर प्रकार से पूर्ण आवेदन पत्र प्राप्त होने की तारीख से देशी अखबारी कागज प्राप्त करने का हकदार होगा ।

3.8 केवल नियमित नियतकालिक पत्रों को, जिन्हें गंगीन छपाई की आवश्यकता होती है, 1992-93 के दौरान निकने अखबारी कागज का आयान करने के लिए हकदारी प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे । लेकिन वे, भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक को औपचारिक अनुरोध करने पर, निकने अखबारी कागज के विकल्प के रूप में अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कुछ निश्चित मात्रा में मानक अखबारी कागज का आयात कर सकते हैं । नए आवेदकों पर समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा गुण दोषों के आधार पर क्रियार किया जाएगा ।

3.9 समाचारपत्र की प्रमार संख्या का निर्धारण (क) बिक्री प्रतियों की संख्या और (ख) निःशुल्क वितरित प्रतियों की संख्या, बिना बिक्री लौटाई गई प्रतियों की संख्या को ध्यान में रखकर निम्नलिखित मात्रकों के आधार पर निया जाएगा ।

3.10 यदि किसी समाचार-पत्र/नियतकालिक-पत्र स्थापना ने किसी भी पिछले वर्ष के दोगने अपने को आबंटित अखबारी कागज की किसी मात्रा का उपयोग नहीं किया है, तो अप्रयुक्त भावां को उसकी 1992-93 की हकदारी में से काट दिया जाएगा ।

3.11 समाचारपत्रों की छीजन की क्षतिपूर्ति के रूप में निम्नलिखित सीमा तक अनिश्चित अखबारी कागज दिया जाएगा:—

सभी समाचारपत्रों के लिए	7 प्रतिशत
बहुरंगी मुद्रण वाली पत्रिकाएं	1 प्रतिशत अनिश्चित
सिली हुई पत्रिकाएं (काट-छांट के लिए)	3 प्रतिशत अनिश्चित

3.12 छीजन की क्षतिपूर्ति को मिलाकर अखबारी कागज के लिए समाचारपत्रों की मूल वार्षिक हकदारी 1992-93 के लिए 50 ग्राम प्रति वर्ष मीट्र एक आधार पर निकाली जाएगी । अखबारी कागज ग्रामों के अनुरूप अनुपातिक समायोजन के बाद ही भी रूप में जारी किया जाएगा ।

#### 4. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

4.1 अखबारी कागज के आबंटन के लिए आवेदन नियमित भारत-पत्र के प्रकाशक द्वारा निर्धारित फार्म में दिए जाने चाहिए और वे भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, पश्चिमी खण्ड-8, स्कैथ-2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110066 को सम्बोधित किए जाने चाहिए । अखबारी कागज के आबंटन के लिए आवेदन फार्म के गाय (क) सनदी लेखा-पाल द्वारा निर्धारित 1-4-91 से 31-3-92 तक पिछले वर्ष के निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र (ख) कैलेंडर वर्ष 1991 में वार्षिक विवरण की एक प्रति जो सब तरह में पूर्ण हो तथा (ग) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अपेक्षित गमाचारपत्र या अन्यथा विभिन्न तारीखों के समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र के अंकों की नमूना प्रति भेजी जाए ।

#### 5. प्रतिम नागीण

5.1 भाग I के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में वर्ष 1992-93 के लिए अखबारी कागज के आबंटन के लिए

आवेदन-पत्रों के प्राप्त होने की अन्तिम तारीख 31 मई, 1992 है।

5.2 अखबारी कागज की दूसरी किप्पत का आयात जहां लागू हों, करने के लिए प्रमाण-पत्र जारी करने के आवेदन 31-10-92 को या उसमें पूर्व भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में अवश्य पहुंच जाने चाहिए। ये आवेदन हर तरह से पूर्ण होने चाहिए।

5.3 28 फरवरी, 1993 से बाद कोई भी आवेदन स्थीकार नहीं किए जाएंगे।

5.4 उपर्युक्त पैरा 5 में दी गई अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन-पत्र अस्वीकृत किए जा सकते हैं। तथापि, आवेदक द्वारा वैध कारण दिए जाने पर और देशी आवेदक के कारण न होने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक गुणावगुण ने आधार पर प्रत्येक आवेदन पर विचार कर सकते हैं।

## 6. संशोधन:

जिस समाचारपत्र को 1992-93 के लिए निर्दिष्ट मात्रा में अखबारी कागज की मूल हक्कदारी प्राप्त हो जाती है, वह अपनी बड़ी हुई प्रसार संख्या उसी पृष्ठ संख्या के आधार पर अपनी हक्कदारी बढ़ावाने के लिए वर्ष में एक बार आवेदन कर सकता है बशर्ते कि ऐसे आवेदन के भाव किसी सनदी लेखायान का विधिवत हस्ताक्षरित निषादन प्रमाण-पत्र साथ लगा हो और उसमें 30 नवम्बर, 1992 को कम से कम ग्राह महीने की अधिकारी की हिसाब में से लिया गया हो, ऐसे आवेदन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1992 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। और उनके साथ विभिन्न तारीबों के नमूना अक भी होने चाहिए।

## विवरण:

7.1 वर्ष 1992-93 के लिए 200 मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज से अधिक की वार्षिक हक्कदारी वाले समाचारपत्र देशी अखबारी कागज की खरीद और आयातित मानक अखबारी कागज की मात्रा का निमाही विवरण 30 जून, 30 मितम्बर, 31 दिसम्बर और 31 मार्च को समाप्त निमाही के लिए निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध निमाही के समाप्त होने के 30 दिन के अन्दर-अन्दर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेंगे और उसकी एक प्रति सूची नियंत्रक आयात-निर्धारित को भेजेंगे। यह विवरण किसी सनदी लेखायान द्वारा सत्य और महीं रूप में प्रमाणित किया गया होना चाहिए। 30 मितम्बर, और 31 मार्च को समाप्त निमाही के विवरणों में यह स्पष्ट रूप से स्थित्या जाना चाहिए कि गिछने छः महीनों में देशी अखबारी कागज की खरीद आयातित मानक अखबारी कागज की मात्रा के दुगुने से कम नहीं है।

7.2 50 मीट्रिक टन से अधिक और 200 मीट्रिक टन तक मानक अखबारी कागज की हक्कदारी वाले समाचारपत्र उपर्युक्त पैरा 7.1 के अनुमार छमाही आधार पर अर्थात् 30 मितम्बर और 31 मार्च की स्थिति के अनुमार अपना विवरण प्रस्तुत करेंगे। 50 मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज तक वार्षिक हक्कदारी वाले समाचारपत्र ऐसे विवरण वार्षिक आधार पर अर्थात् 31 मार्च की स्थिति के अनुमार प्रस्तुत करेंगे।

7.3 जिन नियन्तकालिक पत्रों के मामले में चिकने अखबारी कागज का आयात करने के लिए हक्कदारी प्रमाण-पत्र दिया गया है, उनके लिए उपर्युक्त पैरा 7.1 से उल्लिखित विवरण वार्षिक आधार पर अर्थात् 31 मार्च को स्थिति के अनुमार प्रस्तुत किए जाएंगे।

7.4 समय पर विवरण प्रस्तुत न करने अवश्य गत यूवना ईसे पर सम्बद्ध समाचार-पत्र का भविष्य में आयात हक्कदारी प्रमाण-पत्र के प्रयोग ठहरा दिया जाएगा।

## 8. अखबारी कागज का अप्राधिकृत प्रयोग:

8.1 कोई समाचारपत्र अखबारी कागज ता हस्तानरित कर सकता है और न ही दूसरे समाचारपत्र से प्राप्त कर सकता है। तथापि, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विकेक में अखबारी कागज को अधिक से अधिक तीन महीने के अवधि के लिए एक समाचारपत्र से दूसरे समाचारपत्रों को उधार ले तोर पर हस्तानरित करने की अनुमति दे सकते हैं बशर्ते कि हस्तानरित करने और हस्तानरित करने के समाचारपत्रों के पंजीयक की ऐसे मामले की यूवना 30 दिन के अन्दर भेज दे।

8.2 ऐसा 8.1 में दियी गयी बात के बोते हुए भी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक की पूर्वानुमति के बिना अखबारी कागज न लो बेचा जाना चाहिए, न उसे अन्तरित किया जाना चाहिए अथवा न ही उसका किसी अन्य प्रकार निष्पादन किया जाना चाहिए। अखबारी कागज का अप्राधिकृत उपयोग अथवा निष्पादन करने से सम्बद्ध समाचारपत्रों को भविष्य में आयात हक्कदारी प्रमाण-पत्रों के अप्रयोग करार दे दिया जाएगा।

8.3 जिस समाचारपत्र का प्रकाशन नियमित या बन्द हो जाता है वह प्रकाशन नियमित/बन्द होने से एक महीने के भीतर निष्पादन व्यारो प्रमाण-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेगा। वह अप्रयुक्त अखबारी कागज की भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के निर्देशों के अनुसार वापस करेगा।

## 9. ग्रपवाद:

इस नोटि में किसी बात के होने हुए भी, भारत सरकार का यूवना और प्रमाण-पत्र सम्बन्धित और पर्याप्त कारणों से किसी भी अपेक्षा को छाड़ सकता है या इन में से किसी भी उपबन्ध में दीन दे सकता है।

..... से ..... तक की अवधि के लिए प्रभार आदि संबंधी निष्पादन विवरण प्रमाणपत्र का फार्म।

1. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का नाम :

- (1) आर.एन.आई. पंजीकरण सं.
- (2) प्रकाशक का नाम और पता
- (3) मालिक का नाम और पता

2. प्रकाशन का स्थान :

3. मुद्रण का स्थान :

4. भाषा :

5. आवधिकता (पीरियोडिस्टी)

6. आर.एन आई. द्वारा प्रभार का निर्धारण

(क) निर्धारण वर्ष :

(ख) दावित प्रभार :

(ग) निर्धारित प्रभार :

(घ) निर्धारण तारीख :

7. मालिक के स्वामित्वाधीन अन्य समाचारपत्रों/नियत कालिक पत्रों के नाम और लिंग।

पत्र का शीर्षक	भाषा और आवधिकता	प्रकाशन का स्थान	क्या अखबारी कागज सरकार के माध्यम से प्राप्त किया जाता है?
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

#### 8. महीने के दोगन

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	ग्रग.	मिन.	अक्टू.	नवं.	दिसं.	जन.	फर.	मार्च	प्रवधि का औपत्त
91	91	91	91	91	91	91	91	91	92	92	92	

#### मनदी लेखापाल का प्रमाणपत्र

मैंने/हमने उपर्युक्त प्रवधि के दोगन प्रकाशन सर्वश्री ..... पत्र का नाम, भाषा और आवधिकता के पुस्तकों और लेखों की जांच कर ली है और मैंने/हमने अपेक्षित सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से उपर्युक्त अवधि के लिए दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी पत्र लेखा पुस्तकों के ग्रन्तुमार प्रदत्त विवरण में प्रभार मंख्या, पृष्ठ मंख्या, आकार और प्रकाशन दिवसों की मंख्या का सम्बन्ध पत्र मरी क्रियेंग करता है।

तारीख.....

हस्ताक्षर.....

मनदी लेखापाल की मोहर

1. उम व्यक्ति की मंख्या पत्र नाम जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।
2. पंजीकरण मंख्या.....
3. पता.....

नोट 1. यदि वर्ष के निए औसत प्रसार संख्या, 2000 प्रतियों प्रति प्रकाशन दिवस में अधिक हो तो प्रमाण पत्र सनदी लेखापाल के शीर्ष पत्र (लैटर हैड) पर टाइप होना चाहिए और उसके बारा विविध प्रति हस्ताक्षरित होने चाहिएं तथा उनकी मोहर होनी चाहिए।

3. सभी औसत महीनेवार संबंधित मास के दौरान निष्पादन के व्योरे के आवार पर दी जाएं।

3. (7) में दिए जाने वाले आंकड़े मास के दौरान प्रकाशित सभी अंकों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (8) में दिए जाने वाले आंकड़ों का हिसाब इस प्रकाश होगा :—

एक अंक के पृष्ठों की संख्या उसके अंक के कुल प्रकाशन प्रतियों की संख्या से गुण करने से तर्पंश्वो प्रकाशन दिवस की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकल आएगी। महीने के सभी प्रकाशन दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए। मासिक औसत संख्या प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों को कुल संख्या से भाग किया जाना चाहिए।

4. अधूरा आवेदन पत्र स्वीकार किया नहीं जाएगा।

(1) वास्तविक प्रकाशन दिवसों की संख्या :

(2) प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों की औसत संख्या :

(3) प्रति प्रकाशन दिवस वेची गई प्रतियों की औसत संख्या :

(4) प्रति प्रकाशन दिवस मुफ्त वितरित (मानार्थ वाउचर, विनियम, बोनस, नमूना इवं कार्यालय प्रतियों सहित) की गई प्रतियों की औसत संख्या :

(5) विना विक्री वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की औसत संख्या जो (2) और (4) में शामिल नहीं की गई।

(6) प्रकाशित समाचारपत्र/नियन्तकानिक पत्र का औसत आकार (वर्ग में, मी. में)

(7) प्रति अंक पृष्ठों की औसत संख्या

(8) प्रति प्रकाशित दिवस प्रकाशित पृष्ठों की औसत संख्या

(9) वर्ष के दौरान अखबारी कागज की कुल खपत (मी. टनों में)

1. देशी

2. आयानित

3. अंतर्राष्ट्रीय कागज

4. आर.ई.पी.

मानक

चिकना

10. टिप्पणी, यदि कोई हो :—

प्रकाशक के हस्ताक्षर  
स्पष्ट अक्षरों में नाम  
दिनांक: .....

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

Public Notice No. 1-PR-NP|92

New Delhi, the 5th May, 1992

File No. 601|1|92|NP-I—In terms of Ministry of Commerce, Public Notice No. 4-ITC(PN)|92-97 dated 31st March, 1992, relating to the Export-Import Policy for April 1992-March 1997, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Guidelines for the issue of Certificate for Entitlement to import newsprint for

the licensing year April 1992-March 1993 as given in the Annexure.

M. MAMODARAN, Jt. Secy.

## ANNEXURE

Guidelines for issue of Certificate for entitlement

### 1. Definition

1.1 A “newspaper” shall mean any printed periodical work containing public news or comments on public news as defined in the Press and Registration of Books Act 1867, as amended from time to time.

1.2 While 'indigenous newsprint' shall mean standard newsprint produced by the domestic newsprint mills mentioned in Schedule I of the Newsprint Control Order 1962, amended from time to time, the definition of imported newsprint shall be taken as provided in Chapter 48 of the Customs Tariff 1992-93.

## 2. Eligibility

2.1 Newsprint entitlement certificate shall be issued by the Registrar of Newspapers for India, on submission of formal application complete in all respects, to such newspapers/periodicals as have been registered with the RNI in accordance with the relevant provisions of the Press & Registration of Books Act 1867, as amended from time to time.

2.2 A newspaper shall be eligible for newsprint if it has a regularity of 90 per cent in the case of daily, bi-weekly or tri-weekly newspapers and 66-2/3 per cent in case it has weekly or lower periodicity, save in such cases where the shortfall in regularity has arisen because of reasons beyond the control of the publisher viz., strikes, lock-outs, go-slow, power shortage or similar causes.

2.3 The following categories of publications although these may be registered with the Registrar of Newspapers for India as newspapers, shall not be eligible for newsprint :—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;
- (ii) House journals/magazines brought out by undertakings/firms/industrial concerns;
- (iii) Price lists, catalogues, Directories and lottery news;
- (iv) Racing guides; and
- (v) Sex magazines.

## 3. Entitlement

3.1 The basic entitlement of newsprint for the licensing year 1992-93 of a newspaper/periodical will be determined on the basis of its consumption of newsprint and any other paper, average annual circulation, average number of publishing days and average page area published during the preceding year.

3.2 In the case of those newspapers whose annual entitlement is determined by the Registrar of Newspapers for India to be more than 200 MT standard newsprint, the newspapers shall be allowed to import standard newsprint on the condition that for every two metric tonnes of indigenously produced newsprint purchased by them they will be entitled to import one metric tonne of standard newsprint.

3.3 In the case of those newspapers whose annual entitlement is determined by the RNI to be less than 200 MT, the newspapers will be issued by the Registrar of Newspapers for India an annual entitlement certificate for import of standard newsprint specifying the maximum quantities that the newspaper is allowed to import. Such newspapers will be allowed to import the permitted quantity on half-yearly basis. The first instalment will cover 50 per cent of the

maximum quantity. Second instalment will be released by RNI as per the actual performance of the newspaper during the first half of the financial year, subject to the maximum quantity already determined by the RNI.

3.4 Notwithstanding anything in para 3.3 above, the annual entitlement of a newspaper as determined by the RNI is less than 50 MT, the newspaper concerned will be allowed to import it in one or more instalments.

3.5 All the editions of a newspaper/periodical bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner either published from the same place or from different places would be clubbed together and their category and entitlement of newsprint will be calculated on the basis of performance particulars in respect of all the editions taken together.

3.6 A newspaper/periodical whose circulation claim has been declared unestablished by the Registrar of Newspapers for India will not be eligible for newsprint unless and until the circulation has been re-established for the same year or for a subsequent year irrespective of any change of the status of the newspaper. In case of a newspaper/periodical whose circulation has been assessed by the Registrar of Newspapers for India to be lower than the claimed circulation in the past, the entitlement will be worked out on the basis of the circulation as assessed by the Registrar of Newspapers for India. Such a newspaper/periodical will continue to get newsprint at the assessed circulation and will not be eligible for revision of its entitlement during the licensing or a subsequent year till the claim of circulation is accepted in full. In case a newspaper/periodical is found to have given a false statement about its performance or circulation it shall render itself liable for being debarred from allocation of newsprint for a specific period which may extend upto one year in the manner indicated below :—

Exaggeration	Debarred for
Upto 10 per cent	Exempted
Above 10 per cent and upto 25 per cent	3 months
Above 25 per cent and upto 50 per cent	6 months
Above 50 per cent and upto 75 per cent	9 months
Above 75 per cent	one year

3.7 (a) A newspaper which failed to apply or quality for the allocation of newsprint during the preceding year shall be considered as a fresh applicant and given only indigenous newsprint during 1992-93 unless such failure has been for reasons beyond the control of the publisher.

3.7 (b) In case a newspaper/periodical changes its periodicity, it will be treated as a fresh applicant and given only indigenous newsprint during 1992-93.

3.7 (c) A newspaper applying for allocation of newsprint for the first time will be entitled to get only indigenous newsprint from the date of receipt of its application in the office of the Registrar of Newspapers for India complete in all respect.

3.8 Only regular periodicals with multi-colour printing requirement will be given entitlement certificate to import glazed newsprint during 1992-93. They may, however, be allowed to import specified quantities of standard newsprint to meet part of their requirements, as a substitute for glazed newsprint on a formal request to the RNI. Fresh applicants will be considered by RNI on merit.

3.9 The circulation of a newspaper shall be determined by taking into account : (a) the number of copies sold; and (b) the number of copies distributed free or returned unsold as per the following norms.—

Circulation	Copies allowed under (b) above
(Sold copies per publishing day)	(whichever is less)
upto 25,000 copies	5% or 1000 copies
Above 25,000 copies and upto 75,000 copies	5% or 2500 copies
Above 75,000 copies	5% or 5000 copies

3.10 If a newspaper/periodical establishment did not utilise any portion of newsprint allotted to it during any previous year, the unutilised quantity will be adjusted during the year 1992-93.

3.11 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation

All newspapers	7%
Magazines with multi-colour printing requirement	Additional 1%
Stitched magazines (for trimming)	Additional 3%

3.12 The basic annual entitlement of a newspaper for newsprint inclusive of wastage compensation for 1992-93 will be worked out on the basis of 50 GSM. Actual release will be made after making proportionate adjustments as per the grammage of newsprint involved.

#### 4. Procedure for Submission of Applications :

4.1 Application for entitlement certificate for the import of newsprint should be made by the publisher of a regular newspaper in prescribed form and should be addressed to the Registrar of Newspapers for India, West Block-8, Wing-2, R. K. Puram, New Delhi 110066. Applications for newsprint should be accompanied by (a) Performance Particulars Certificate for the preceding year (i.e. 1-4-1991 to 31-3-1992) duly signed by Chartered Accountant (where the average circulation is more than 2,000 copies per publishing day); (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year 1991 complete in all respects; and (c) specimen issues of the newspaper/periodical of different dates or otherwise as required by the RNI.

#### 5. Last Date :

5.1 The last date of receipt of applications in the office of the RNI for the issue of certificate of entitlement for import of newsprint for the year 1992-93 is 31st May, 1992.

5.2 Applications for the release of certificate for the import of second instalment of newsprint, wherever applicable, must be received, complete in all respects, in the office of the RNI on or before 31st October, 1992.

5.3 No application will be entertained after 28-2-1993.

5.4 Applications received after the last dates mentioned above are liable to be rejected. However, if the applicant gives valid reasons and the delay is not attributable to the applicant, RNI may consider each request on merit.

#### 6. Revision

A newspaper which secures the basic entitlement of a specified quantity of newsprint for 1992-93 can apply once during the year for upward revision of the entitlement on the basis of increase in its circulation and number of pages, provided such an application is accompanied by performance certificate duly signed by a Chartered Accountant and covers a period of not less than 8 months as on 30th November, 1992. Such applications should reach the office of the Registrar of Newspapers for India along with sample issues of different dates by 31st December, 1992.

#### 7. Returns

7.1 The newspapers having an annual entitlement of more than 200 MT of standard newsprint for 1992-93 shall submit quarterly returns in respect of the purchase of indigenously produced newsprint and quantity of standard newsprint imported, to the RNI in the prescribed form, with a copy to the CCI&E, for the quarters ending 30th June, 30th September, 31st December and 31st March, within 30 days of the close of the quarter concerned. The returns shall be certified to be true and correct by a Chartered Accountant. The returns for the quarters ending 30th September and 31st March should clearly show that the purchase of indigenously produced newsprint was not less than twice the quantity of the standard newsprint imported during the preceding six months.

7.2 The newspapers with an entitlement of more than 50 MT and upto 200 MT of standard newsprint shall submit the returns as mentioned in para 7.1 above on half-yearly basis i.e. as on 30th September and 31st March. Such returns will be submitted on annual basis i.e. as on 31st March, where the annual entitlement of the newspaper is upto 50 MT of standard newsprint.

7.3 In the case of periodicals given entitlement certificate for the import of glazed newsprint the returns mentioned in para 7.1 above shall be required to be submitted on annual basis i.e. as on 31st March.

7.4 Failure to submit the returns in time or submission of false information shall disqualify the newspaper concerned for future import entitlement certificate.

#### 8. Unauthorised Use of Newsprint

8.1 No newspaper shall transfer newsprint to or receive from another newspaper. However, the Registrar of Newspapers for India, may, in his discretion